शोध मंथन Vol. XII No.III July-Sep. 2021 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Available at: *http:/shodhmanthan.anubooks.com*

पश्चिमी चम्पारण जनपद में जनसंख्या वितरण प्रतिरूप

प्राप्तिः 27.08.2021
स्वीकृतः 14.09.2021

अविनाश प्रकाश
शोधार्थी, भूगोल विभाग
बुद्ध पी० जी० कॉलेज, कुशीनगर (उत्तर प्रदेश)
सम्बद्ध दीनदयाल उपाध्याय, गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर
ईमेलः *2107avin@gmail.com*

सारांश

आज का युग विज्ञान और तकनीकी का युग है। किसी भी देश के विकास के लिए उसका विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में अग्रणी होना अति आवश्यक है, इसके लिए आवश्यक है कि देश संसाधन के रूप में धनी हो चाहे वो प्राकषतिक संसाधन हो या मानवीय संसाधन। जिस देश का मानव संसाधन जितना ही सम्पन्न एवं दक्ष होगा वह देश उतना ही विकसित होगा। इस दृष्टिकोण से जनसंख्या संसाधन का क्षेत्रीय अध्ययन राष्ट्रीय महत्व का विशय है। जनसंख्या अपनी मात्रात्मक तथा गुणात्मक विशेषता के द्वारा किसी क्षेत्र विशेष के लिए वरदान अथवा अभिशाप साबित हो सकती है किसी भी जनसंख्या की सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक संरचना उसे संसाधन के रूप में विकसित करती है। मानव स्वयं संसार का सबसे बड़ा संसाधन है, वह संस्कषति का निर्माता है एवं पदार्थो को अपने ज्ञान के द्वारा उपयोगी एवं संसाध्य बनाता है।

मानव संसाधनों का सष्जनकर्ता एवं उपभोगकर्ता दोनों है। बिना मानवीय उपयोग के कोई भी पदार्थ संसाधन नहीं कहलाता है। किसी भी क्षेत्र के संसाधनों के समुचित उपयोग के लिए अभीश्ट जनसंख्या का होना अति आवश्यक है। किसी भी क्षेत्र की भौतिक व सांस्कषतिक दशाएं वहाँ के जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती है। प्रायः जीवन अनुकूल दशाओं वाले भागो में अधिक जनसंख्या निवास करती है। यद्यपि

जनसंख्या के वितरण से सम्बन्धित अध्ययनों की लम्बी श्रृखला है, परन्तु जिला स्तर क्षेत्रीय विशमताओं और विविधताओं का अध्ययन जिला नियोजन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसी महत्ता को देखते हुए प्रस्तुत अध्ययन किया जा रहा है।

पश्चिमी चम्पारण जनपद बिहार के उत्तर पश्चिम में बिहार तराई क्षेत्र का भाग है। जिसके उत्तर में शिवालिक श्रेणी और दक्षिण में गंगा का मैदान है। तराई क्षेत्र वह भू–भाग होता है जहाँ भाभर क्षेत्र की नदियाँ मंद गति से प्रवाहित होती है। बाढ़ की बारम्बारता, दलदल इस क्षेत्र की विशेषत है। जलोढ मृदा, जो अत्यन्त उपजाऊ होती है, के कारण क्षेत्र में सघन बसाव पाया जाता है। पश्चिमी चम्पारण जनपद राज्य के शीर्ष जनसंख्या वाले जनपदों में से एक है।

मूल बिन्दु

प्राकृतिक संसाधन, मानवीय संसाधन, मात्रात्मक, दक्ष, संसाध्य, सृजनकर्ता, अभीष्ट जनसंख्या, नियोजन, उपभोगकर्ता, तराई, भाभर, बारम्बारता।

उद्देश्य

प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य अध्ययन क्षेत्र में विद्यमान भौतिक एवं मानवीय दशाओं का अध्ययन करते हुए जनसंख्या वितरण प्रतिरूप का विश्लेशण करना है। साथ ही उन कारकों को भी रेखांकित करना है जो जनसंख्या वितरण की असमानताओं को प्रभावित करते है।

आंकड़ा स्रोत एवं विधितन्त्र

प्रस्तुत शोध पत्र में द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। इस कार्य हेतु District Census Handbook West Champaran 2011 Bihar का विस्तृत अध्ययन किया गया है। आंकड़ों का अंकन, विश्लेशण और मानचित्रण का भी कार्य किया गया है। विधितन्त्र के रूप में यहॉ क्षेत्रफल के संदर्भ में जनसंख्या को आधार मानकर क्षेत्रीय विविधताओं को उभारने का प्रयास किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र

पश्चिमी चम्पारण जनपद बिहार राज्य के उत्तर पश्चिम भाग में अवस्थित है इसके उत्तरी भाग में नेपाल देश तथा दक्षिण में बिहार का गोपालगंज जनपद स्थित है, पूर्व में पूर्वी चम्पारण है जबकि पश्चिम में इसकी सीमा उत्तर प्रदेश के पड़रौना और देवरिया जनपद से लगती है। पश्चिम चम्पारण जनपद का सामाजिक ताना–बाना अंग्रेजों के समय ही 1866 में चम्पारण को स्वतंत्र इकाई के रूप में बनाया गया था। प्रशासनिक सुविधा हेतु 1972 में इसका विभाजन कर पूर्वी और पश्चिमी चम्पारण नामक दो जिला बनाया गया। जनपद के विस्तार हिमालय की तलहटी में होने के कारण र्प्याप्त भौगोलिक विविधता देखने को मिलती है। इसके उततरी हिस्से में सोमेश्वर श्रेणी औद दून श्रेणी है। सोमेश्वर श्रेणी से लगे तराई क्षेत्र का विस्तार है, फलस्वरूप यहॉ दलदली मष्दा विस्तार है। गण्डक एवं सिहकरना व उनकी सहायक नदियों के कारण जिले की मिट्टी उपजाऊ है। जनपद का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 5228 वर्ग किलोमीटर है। कुल जनसंख्या 39,35,042 है जिसमें ग्रामीण जनसंख्या 35,41,877 और नगरीय जनसंख्या 3,93,165 है।

जनसंख्या घनत्व 753 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। जनपद का लिंगानुपात 909 है जो राज्य के लिंगानुपात और देश के लिंगानुपात दोनों से कम है। शिशु लिंगानुपात 953 है। जनपद की कुल साक्षरता 55.70 प्रतिशत है जिसमें पुरूश साक्षरता 65.59 प्रतिशत और स्त्री साक्षरता 44.69 प्रतिशत है जो पुरूशों के मुकाबले बेहद कम है।

तालिका संख्या – 01

पश्चिमी चम्पारण जनपद : जनसंख्या वितरण प्रतिरूप (2011)

क्र. सं.	विकास खण्ड	क्षेत्रफल (वर्ग किमी. में)	कुल जनसंख्या	जनघनत्व (प्रति व्यक्ति वर्ग किमी०)
1	बेतिया	53.66	91911	1713
2	पिपरासी	160.22	38692	241
3	नौतन	188.48	233575	1239
4	बैरिया	233.49	206098	883

5	मझौलिया	286.17	329374	1151
6	भितहॉ	140.88	66203	470
7	लौरिया	203.54	230162	1131
8	चनपटिया	250.39	270653	1081
9	मैनाटाड	234.42	190744	814
10	सिकटा	195.85	189496	814
11	जोगापट्टी	218.96	243516	1112
12	नरकटियागंज	334.42	324335	982
13	गौनहा	311.60	208169	668
14	रामनगर	338.86	200691	592
15	बगहा–1	349.24	285366	817
16	सिधवा (बगहा–2)	570.96	309874	543
17	ठकरहा	143.98	52766	366
18	मधुबनी	140.53	89608	638

जनसंख्या घनत्व का स्थानिक वितरण प्रतिरूप :–प्रस्तुत अध्ययन में जनसंख्या को आधार मानकर विकास खण्डवार जनसंख्या घनत्व की गणना की गई है। सामान्यतः जनसंख्या के वितरण को जनघनत्व के माध्यम से प्रदर्शित किया जाता है। जनसंख्या घनत्व से तात्पर्य प्रति इकाई क्षेत्रफल में निवास करने वाली जनसंख्या से है।

तालिका संख्या – 02

पश्चिमी चम्पारण : जनसंख्या घनत्व वितरण प्रतिरूप (2011)

(व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर में)

संवर्ग	संकेतक (व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.)	विकास खण्डों के नाम	विकास खण्डों की संख्या
उच्च	1000 से अधिक	बेतिया, नौतन, मझौलिया, लौरिया, चनपटिया, जोगपट्टी	06
मध्यम उच्च	800.999	बैरिया, मैनाटाड, सिकट बगहा–1, नरकटियागंज	05
मध्यम	600.799	गौनहा, मधुबनी	02
सामान्य	600 से कम	पिपरासी, भितहाँ, रामनगर, सिधवा (बगहा–2) ठकरहा	05

विकास खण्डों की संख्या
06
05
02
05

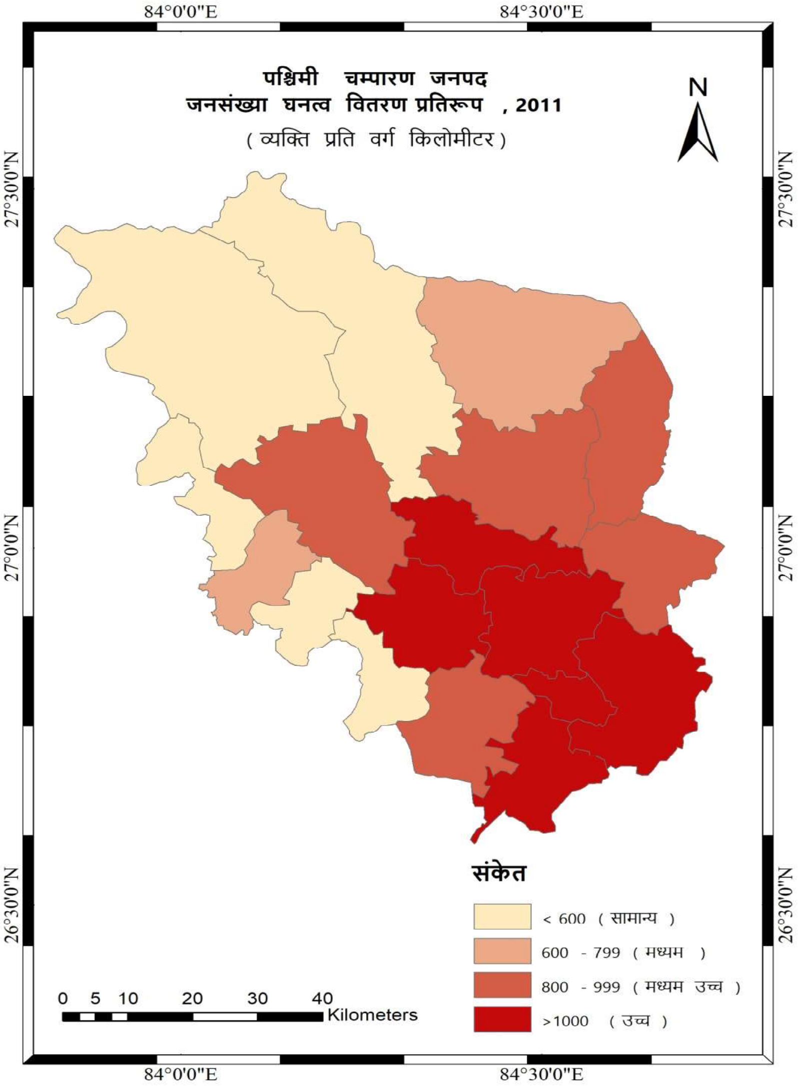

इस प्रकार पश्चिमी चम्पारण जनपद के विकास खण्डवार जनसंख्या के अध्ययन से ज्ञात होता है। कि जनसंख्या के क्षेत्रीय वितरण में यह असमानता मिलती है। जिसे तालिका संख्या 02 में प्रदर्शित किया गया है। यहॉ जनसंख्या घनत्व की क्षेत्रीय विशमता का अध्ययन चार संवर्गो में विभक्त करके किया गया है।

1. उच्च संवर्ग (1000 से अधिक) :—इस संवर्ग में दक्षिण मध्य में स्थित बेतिया जो जिले का मुख्यालय है में सर्वाधिक जनघनत्व (1713) पाया जाता है इसके अतिरिक्त बेतिया के समीपवर्ती

विकास खण्डों में दक्षिण पूर्व में मझौलिया, दक्षिण में नौतन, उत्तर में चनपटिया तथा उत्तर पश्चिम में जोगापट्टी विकास खण्ड है, जहॉ पर उच्च जनघनत्व पाया जाता है। इन विकास खण्डो में जनसंख्या घनत्व उच्च होने का प्रमुख कारण शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं के साथ साथ यातायात की सुविधा मुख्यालय से समीपता आदि है।

2. मध्यम उच्च वंवर्ग (800 – 799) :–इस संवर्ग के अन्तर्गत जनपद के दक्षिण भाग में बैरिया पूर्वी भाग में मैनाटांड समीप सिकटा मध्य में नरकटियागंज व पश्चिम भाग में बगहा विकास खण्ड है। यहॉ पर जनसंख्या घनत्व अधिक होने का मुख्य कारण गंगा का उपजाऊ मैदानी भाग व यातायात व अन्य सुविधाओं की अधिकता है।

3. मध्यम संवर्ग (600–799) :–इस संवर्ग के अन्तर्गत जनपद के पश्चिम भाग में स्थित मधुबनी तथा उत्तरी भाग में स्थित गौनहा है। यहॉ जनसंख्या के कम घनत्व होने का कारण गौनहा का शिवालिक श्रेणी के समीप स्थित होना तथा मधुबनी में कम उपजाऊ मिट्टी का पाया जाना है। साथ ही साथ यातायात व अन्य साधनों की समुचित व्यवस्था नहीं हो पाई है।

4. सामान्य संवर्ग (600 से कम) :–इस संवर्ग के अन्तर्गत पिपरासी, भितहा, रामनगर, सिधावां और ठकरहा विकास खण्ड आते है। जहॉ जनसंख्या घनत्व सामान्य है जिसका प्रमुख कारण जन सुविधाओं का अभाव, सोमेश्वर श्रेणी व दून श्रेणी, पश्चिमी भाग में शैल संरचना का अभाव और कृशि योग्य भूमि का अभाव प्रमुख है।

निश्कर्ष

निश्कर्शतः यह कहा जा सकता है कि जनपद में जनसंख्या वितरण में अत्यधिक असमानता विद्यमान है जिन भागों में कषशि युक्त भूमि शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास परिवहन के साधान रेल व सड़क मार्ग की सुविधा है वहॉ पर जनसंख्या संकेंद्रण अधिक पाया जाता है परन्तु जिन भागों में उपरोक्त सुविधाओं का समुचित विकास नहीं हो पाया है वहॉ पर कम जनसंख्या घनत्व है। स्पश्ट है कि जनपद मुख्यालय एवं आसपास के भाग में जनसंख्या घनत्व राश्ट्रीय व राज्य के औसत से भी अधिक है वही पश्चिमी भाग में कम जनसंख्या संकेंद्रण है शिक्षा रोजगार स्वास्थ्य व परिवहन सुविधाओं की समुचित व्यवस्था कर जनसंख्या को जनसंख्या संसाधन में परिवर्तित किया जा सकता है।

Reference

- डॉ एसडी मौर्या (2018) : जनसंख्या भूगोल शारदा पुस्तक भवन।
- चांदना आर सी (2017) : जनसंख्या भूगोल कल्याणी पब्लिकेशन नई दिल्ली।
- सिंह जगदीश एवं सिंह के.एन. (2016) : आर्थिक भूगोल के मूल तत्व ज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर।
- कुमारी सरिता (2015) : Population Geography of Bihar, India.
- यादव निशा (2016) : देवरिया जनपद में जनसंख्या वितरण प्रतिरूप, संविकास संदेश।
- District Census Handbook West Champaran District (2011)